



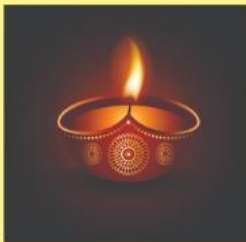
दीवाली में बम-पटाखे से सुरक्षा के उपाय



1. आज कल मार्केट में कम कीमत और नकली पटाखों की कोई कमी नहीं है इसलिए हमेशा प्रमाणित किए गये पटाखे ही खरीदें।
2. पटाखे हमेशा खुली जगह पर ही छोड़े और ध्यान रखें कि पार्क किए गए वाहन, बिजली के तार और आसपास पेट्रोल, डीजल, केरोसिन या गैस सिलिंडर जैसे ज्वलनशील पदार्थ न हों। और याद रखें कि पानी से भरी एक बाल्टी पास हो।
3. कम उम्र के बच्चों को पटाखे दिलाते वक्त उनकी उम्र का खास ख्याल रखें। उनको ऐसे पटाखे बिल्कुल ना दिलाएं जो उनके उम्र के अनुकूल ना हों। पटाखे छुड़ते समय बच्चों के साथ रहें और उन्हें पटाखे जलाने का सुरक्षित तरीका बताएं।
4. हमेशा पटाखों को लंबी लकड़ी या मोमबत्ती के इस्तेमाल से जलाएं। माचिस का प्रयोग तो बिल्कुल भी ना करें और हो सके तो उन्हें थोड़ी दूरी पर रखकर ही जलाएं। पटाखों को दूर से जलाएं, चेहरा बचाकर आग लगाएं।
5. कई लोग एक साथ दो-तीन पटाखे एक साथ जलाते हैं ऐसी स्थिति में आपका ध्यान बंट सकता है इसलिए हमेशा एक बार में एक ही पटाखा जलाएं।
6. अगर कोई पटाखा आग लगाने के बावजूद भी ना दगे तो उसको दोबारा जलाने की कोशिश न करें। उसे हाथ से न उठाएं और बेहतर होगा कि उसे पानी डाल कर बुझा दें।
7. दीयों को जलाते वक्त और पटाखे छोड़ते समय नायलॉन और सिंथेटिक कपड़ों के बजाय सूती कपड़े पहनें। पटाखे छोड़ते वक्त जूते जरूर पहनें।
8. आग की दुर्घटना के समय पर 101 नंबर पर कॉल कर फायर ब्रिगेड को सूचित करे. 108/102 पर कॉल कर एम्बुलेंस को सूचित करे
9. श्वसन संबंधी बीमारी वाले व्यक्तियों को क्रैकर्स से निकलने वाले धुएं के संपर्क में आने से बचने के लिए घर के अंदर रहने की कोशिश करनी चाहिए।
10. बर्न के घाव वाले व्यक्तियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करें। यदि जला (बर्न) गंभीर हैं तो उन्हें अस्पताल ले जाएं।

थोड़ी सी सावधानी और दुर्घटना टली

सुरक्षित, शुभ और समृद्ध दीवाली के लिए सार्वजनिक हित में प्रकाशित



Issued by
Kerala State Disaster Management Authority
Prepared by
RADHEE Disaster and Education Foundation

